OM-4- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 26/04/2021 1:55 PM Page 3

आपका व्यवहार बोलता है

- ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

हम सभी यहाँ इसी ख्याल से आये हैं कि हम योगी बनेंगे, पवित्र बनेंगे। जब हम आये और बाबा-मम्मा को देखा,उनकी बातें सुनीं, बड़ी बहनों को भी देखा तो लगा कि जीवन है तो यही है। हमको ऐसा बनना है , हमको और कुछ नहीं चाहिए। देख लिया है दुनिया को। लेकिन जब आये और ज्ञान में चलने लगे तो आप देखते हैं कि क्या हुआ? योग और ध्यान तो एक तरफ रहा और हम किसी और तरफ भटक गये। दूसरी तरफ चले गये, गुमराह हो गये। यहाँ ध्यान देने की ज़रूरत है। सबसे पहले हम योगी हैं। हमारी पहली बात यह होनी चाहिए। अगर हमारा योग ठीक नहीं है तो कुछ भी ठीक नहीं है। हमारा जीवन व्यर्थ हो गया। बाबा का बनके, ज्ञान लेके, त्याग करके क्या किया? अरे, बहुत पछताने की बात होगी। बाद में खून के आंसू बहाने की बात होगी। हृदय फटेगा कि बाबा हमें बहुत बोलते रहे। अव्यक्त वाणियों में हमें सावधानी देते रहे। बहुत प्यार से, दुलार से और तरीके से शिक्षा देते रहे। साल का, छह महीने का होम वर्क देते रहे कि बच्चे, ऐसे बनो, बच्चे यह करो, बच्चे इस दफा यह करो। किसी भी तरह से बच्चे आगे बढ़ें, कोई बात तो करें। इतना बड़ा टीचर, इतनी बड़ी अथॉरिटी !

एक रस्म हो गयी जाकर बाबा के सामने बैठने की। जैसे कि सब लोग बैठ जाते हैं पाँच हज़ार, दस हज़ार, पन्द्रह हज़ार। हर कोई कोशिश करता है कि आगे-आगे बैठें। बाबा के सामने आगे बैठो लेकिन बाबा की दृष्टि में, बाबा के मन में आप आगे-आगे हो? यह नहीं देखते। हमारी धारणा, हमारी स्थिति, हमारा योग का चार्ट ऐसा है? पिछली बार बाबा ने करने के लिए जो बताया था, हमने किया? हमने कुछ नहीं किया। अब कैसे जायें उनके सामने? कई दफा लौकिक में ऐसा होता है कि कोई कहता है कि चलो, फलाने से मिलने। दूसरा कहता है कि नहीं भाई, मैं नहीं चलूँगा। क्यों? वह कहता है कि कई दफा उसने यह करने के लिए कहा है, मैंने तो किया नहीं, अब उसके सामने जाऊं तो कैसे जाऊं? ऐसे कहते हैं। समाज में यह बड़े आश्चर्य की बात देखने में आती है कि बहुत से लोग अपने आपको बड़ा समझदार समझते हैं, लेकिन होता कुछ है नहीं। इसके लिए क्या किया जाये? ऐसे समझदार को समझाना बड़ा मुश्किल है। अगर कोई व्यक्ति कहता है कि मैं यह नहीं समझता, आप मुझे समझाओ, तो आप उसको समझा देंगे लेकिन आप समझा रहे हैं और वह कहता है कि मैं जानता हूँ, मुझे मालूम है, तो आप क्या करेंगे? वह अपनी प्रेस्टीज(प्रतिष्ठा) बनाये रखने के लिए ऐसा कहता है। न समझते हुए भी ऐसा कहता है ताकि ये लोग मुझे ऐसा न समझें कि मैं नहीं जानता। कुछ नहीं समझते हुए भी अपने को बहुत समझदार समझकर बैठना - यह एक बड़ी समस्या है। इसीलिए आप देखेंगे कि कोई भी समाज में या संस्था में आगे चलकर एक विघ्न आता है कि उनका जो मुखिया रहता है, बड़े-बड़े कर्णधार होते हैं, काम करने वाले जो ज़िम्मेदार व्यक्ति हैं, जिनके नाम गणमान्य व्यक्तियों की लिस्ट में होते हैं, उनको समझाना मुश्किल है। वे सब यह सोचकर बैठे हैं कि हम सब समझते हैं, हमें क्या समझना है? कोई भी सभा हो, उसमें वे नहीं आयेंगे। क्योंकि वे अपने आपको बहुत समझदार और बड़े समझते हैं। ऐसे हमारे में भी हैं, वे क्लास में नहीं आयेंगे, योग में नहीं आयेंगे। बाबा कहते हैं, सदा अपने को पहले एक विद्यार्थी समझो क्योंकि ईश्वरीय विद्यार्थी जीवन सर्वश्रेष्ठ जीवन है। हरेक का ज्ञान सुनाने का तरीका अलग होता है। जब मुरली पढ़ते हैं, हरेक के पढ़ने में विशेषता है। हम सुन लें, क्या हर्ज है ! कुछ लोग समझते हैं कि नई बहन सुना रही है, छोटी बहन सुना रही है, हम क्यों सुनें? हमने तो पढ़ ली है या बाद में पढ़ लेंगे। ऐसे लोगों का क्या करें? हम यहाँ सीखने आये हैं। हरेक में कुछ न कुछ अच्छाई होती है, उसको हमें सीखना है। यह अहंकार एक संस्था या संगठन में रहने वालों के लिए अच्छा नहीं है। संगठन में रहने वालों में नम्रता रहनी चाहिए और यह भाव बना रहना चाहिए कि हम यहाँ सीखने आये हैं। तो फिर बहुत आगे बढ़ेंगे, तरक्की करेंगे। ऐसे स्थान का वायुमण्डल बहुत महान होता है।

हमारी प्रैक्टिकल धारणाओं से ही लोग प्रभावित होकर संस्था की तरफ आते हैं। नया व्यक्ति आता है और वह सामने वाले से पूछता है कि फलाना डिपार्टमेंट कहाँ है? उसको उत्तर दिया जाता है, मुझे क्या पता। उसको पता है, फिर भी सही जवाब नहीं देता। दूसरे देशों में जाओ और वहाँ के लोगों से मिलो, तो पता पड़ता है, वे कैसे व्यवहार करते हैं। जब मैं पहली बार न्यू यॉर्क में गया तो मेरे साथ शील दादी और दूसरे कई थे। एक जगह पर हम पहुंचे। हम नक्शा खोलकर देख रहे थे कि हम कहाँ तक पहुंचे हैं और अब किधर जाना है। उतने में एक अमेरिकन वहाँ से गुज़रा। उसने हमें देखा और समझा कि ये दूसरे देश से आ आये हैं, नक्शा खोलकर देख रहे हैं, इनको कुछ पता करना है। वह हमारे पास आया और पूछा, मे आई हेल्प यू(क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ)? उसने ऐसा नहीं सोचा कि जब इन्होंने मेरे से पूछा ही नहीं है तो मैं काहे को इनको बताने जाऊं? फालतू अपना समय क्यों बर्बाद करूँ? लेकिन उसने सोचा, ये हमारे देश में आये हैं और इस वक्त इनको मदद की ज़रूरत है। इसी का नाम इंसानियत है। दूसरे व्यक्ति को हमारी मदद की ज़रूरत है, तो हम उसकी मदद करने में लग जाते हैं - यह है सभ्यता। देवता बनेंगे, जब बनेंगे तब बनेंगे। उससे पहले इंसान तो बनो। अपने में इंसानियत को धारण करो। बहुतों में इंसानियत है, बहुतों में देवताई गुण हैं, मैंने कइयों में देखा है, अनुभव किया है कि उनमे इंसानियत नामक की चीज़ ही नहीं है। यह कितनी खराब बात है ! योग सीखने हम आये थे, योग करने हम आये थे, देवी देवता बनने हम आये थे। कहाँ चले? रास्ता कौन-सा ले लिया? गलत रास्ता ले लिया। उसका नतीजा यह हो गया कि सीधे रास्ते से गये ही नहीं, उल्टे रास्ते चले गये। अब हमें कितना समय लगेगा? पहले सारे गलत रास्ते से वापिस लौटें, फिर उसके बाद अच्छे रास्ते पर जायें। हमारा तो कार्य बढ़ गया। मेहनत बढ़ गयी। ये कितनी गलती हम करते हैं ! यह पर्सनल जीवन की बात है।

व्यक्ति की पहचान उनके बोल, उनके व्यवहार से होती है। भल वो कितने भी साधारण परिधान में क्यों न हो। किन्तु उनको, उनकी वाणी और उनके आचार-व्यवहार से पहचाना जाता है। दिव्यता से भरपूर, श्रेष्ठ संकल्पों के धनी, सर्व के प्रति श्रेष्ठ व कल्याण की भावना रखने वाला पुरुषार्थी छिप नहीं सकता। परमात्मा कहते- बच्चे आप दिव्य फरिश्ते हो, आपके बोल व कर्म व्यवहार कितने न रॉयल होने चाहिए! आपके इस दिव्य व्यहवहार से ही विश्व परिवर्तन का कार्य सिद्ध होगा। बाबा(परमात्मा) प्रत्यक्ष होंगे।

चांदपुर-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. साधना, ब्र.कु. भारत भूषण,पानीपत तथा अन्य।

गुवाहाटी-असम। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित 'वुमेन इन लीडरशिप' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए लोक सभा सांसद क्वीन ओझा। कार्यक्रम में उपस्थित रहे प्रसिद्ध लेखिका मणिकुंतला भट्टाचार्य, सामाजिक कार्यकर्ता किरण बोरो, ब्र.कु. शीला,उपक्षेत्रीय निदेशिका, डॉ. कावेरी ककाती तथा अन्य गणमान्य लोग।

ब्यावरा-म.प्र.। त्रिमूर्ति शिवजयंती पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के पश्चात् सम्बोधित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी बहन। साथ हैं विधायक रामचंद्र दांगी, ए.डी.ओ. आशीष दुबे, नगर सुधारक समाज सेवी डॉ. कैलाश मिश्रा, सर्जन,एम.एस.,मेडिकल ऑफिसर डॉ. राकेश गुप्ता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. डी.के. गुप्ता तथा अन्य।

अजमेर-राज.। शास्त्री नगर सेवाकेन्द्र के भूमिपूजन के अवसर पर उपस्थित हैं अजमेर नगर निगम की नवनिर्वाचित महापौर श्रीमति ब्रजलता हाड़ा, उपमहापौर नीरज जैन, राजयोगिनी ब्र.कु. शान्ता बहन, डॉ. अशोक चौधरी,मानसिक रोग विशेषज्ञ, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. रमेश तथा अन्य।

कोरबा-छ.ग.। आध्यात्मिक ऊर्जा पार्क गेरवा घाट,तुलसी नगर में आयोजित "प्रसन्न मन,आनंदमय जीवन शैली" शिविर के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्षा सपना चौहान को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रुकमणी दीदी तथा ब्र.कु. बिन्दु बहन। साथ हैं अन्य अतिथिगण।

इंदौर-कालानी नगर। 'सर्व धर्म सम्मेलन' के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए अविनाशी अखंड धाम से राजनंद जी महाराज, मोहम्मद इस्माइल साबरी, गुरुद्वारा तोपखाना साहिब से ज्ञानी परमजीत सिंह, न्यू एपोस्टोलिक चर्च से हैरिसन करोले, ब्र.कु. जयंती दीदी, ब्र.कु. सुजाता दीदी तथा ब्र.कु. वैभव।

पठानकोट-पंजाब। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सत्या बहन, ब्र.कु. गीता, कर्नल बी.एस. परमार की धर्मपत्नी अनीता परमार, एम.डी. डॉ. सुभाष गुप्ता,एम.डी. की धर्मपत्नी अनीता गुप्ता, मीनाक्षी कांता वालिया, कांता महाजन तथा अन्य गणमान्य महिलाओं सहित ब्र.कु. बहनें।

जयपुर-राजापार्क। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए गीता मलिक,प्रिन्सीपल,गुरू नानक पब्लिक स्कूल, डॉ. आकांक्षा कटारिया,प्रोफेशनल सिंगर, ब्र.कु. पूजा बहन, राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी,उपक्षेत्रीय संचालिका, सुमन शर्मा,अध्यक्षा,राजस्थान महिला आयोग, श्रीमति गुलाबो सपेरा,अंतर्राष्ट्रीय कलाकार,कालबेलिया नृत्य, श्रीमति डॉ. खुशबू कपूर,इंटरनेशनल एंकर तथा डॉ. के.के. पाठक।

राजकोट-गांधीग्राम(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ तथा पाठक स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में बच्चों की आंतरिक शक्तियां उजागर करने हेतु आयोजित रैली का उद्घाटन करते हुए ट्रस्टी राणाभाई गोजीया, प्रिन्सीपल हर्षा बहन, ब्र.कु. नयना बहन तथा अन्य।

गोगम्बा-गुज.। एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. क्षमा बहन।